महत्वपूर्ण TOPICS

विकास

CHAPTER-1

- आर्थिक विकास
- राष्ट्रीय विकास
- देशों की तुलना
- सार्वजनिक सुविधाएं
- देशों का वर्गीकरण का मापदंड , विश्व बैंक
- विकास, UNDP मापदंड
- मानव विकास रिपोर्ट
- धारणीय विकास

- प्रतिव्यक्ति आय
- साक्षरता दर
- शिशु मृत्यु दर
- उपस्थिति दर
- जीवन प्रत्याशा
- सकल नामांकन अनुपात
- मानव विकास सूचकांक
- क्रय शक्ति समता

विकास का अर्थ

CHAPTER-1

■ विकास के कई पहलू हैं। ■ विकास के बारे में अलग अलग धारणाएँ हैं।

तालिका 1.1 विभिन्न श्रेणी के लोगों के विकास के लक्ष्य

व्यक्ति की श्रेणी	विकास के लक्ष्य/आकांक्षाएँ
भूमिहीन ग्रामीण मज़दूर	काम करने के अधिक दिन और बेहतर मज़दूरी; स्थानीय स्कूल उनके बच्चों को उत्तम शिक्षा प्रदान करने में सक्षम; कोई सामाजिक भेदभाव नहीं और गाँव में वे भी नेता बन सकते हैं।
पंजाब के समृद्ध किसान	किसानों को उनकी उपज के लिए ज़्यादा समर्थन मूल्यों और मेहनती और सस्ते मज़दूरों द्वारा उच्च पारिवारिक आय सुनिश्चित करना ताकि वे अपने बच्चों को विदेशों में बसा सकें।
किसान जो खेती के लिए केवल वर्षा पर निर्भर हैं	
भूस्वामी परिवार की एक ग्रामीण महिला	
शहरी बेरोज़गार युवक	
शहर के अमीर परिवार का एक लड़का	
शहर के अमीर परिवार की एक लड़की	उसे अपने भाई के जैसी आज़ादी मिलती है और वह अपने फ़ैसले खुद कर सकती है। वह अपनी पढ़ाई विदेश में कर सकती है।
नर्मदा घाटी का एक आदिवासी	

निष्कर्ष

■ अलग-अलग लोगों के विकास के लक्ष्य अलग - अलग होते हैं।

■ विकास की योजनाओं का लाभ सबको एकसमान नहीं मिलता है।

■ ऐसा हो सकता है कि एक के लिये विकास दूसरे के लिये विनाशकारी हो।

■ अतः विकास की नीतियों को बनाते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि उससे अधिकतम लोगों को लाभ हो।

समाज के विभिन्न वर्ग के लिये विकास का अर्थ / लक्ष्य

- नियमित काम, बेहतर मजदूरी
- अपनी उपज तथा अन्य उत्पाद की अच्छी कीमत [अधिक आय]
- बराबरी का व्यवहार
- स्वतंत्रता, सुरक्षा और दूसरों से आदर [इच्छा]
- सुरक्षित और संरक्षित वातावरण [महिलाओं के लिये]

निष्कर्ष :- वस्तुतः लोगों के विकास के लक्ष्य केवल बेहतर आय के ही नहीं होते बल्कि जीवन में अन्य महत्वपूर्ण चीजों के बारे मे भी होते हैं।

PRACTICE QUESTION

प्रश्न (1) कुछ लोग बान्धों का क्यों विरोध करते हैं ?

(a) उनको बेघर होने का डर बना रहता है।
(b) पानी में उनकी खेती योग्य भूमि डूब जाती है
(c) इससे देश के दूसरे लोगों को लाभ रहेगा
(d) इन द्वारा पैदा होने वाली बिजली का दूसरों को लाभ रहेगा

उत्तर

(a) उनको बेघर (विस्थापान) होने का डर बना रहता है।
(b) पानी में उनकी खेती योग्य भूमि डूब जाती है

PRACTICE QUESTION

प्रश्न :-(2) निम्नलिखित में से कौन सा एक तथ्य सभी के लिये विकास का मुख्य ध्यय / लक्ष्य है?

(a) स्वतंत्रता (b) समान सुविधाऐ (c) सुरक्षा और आदर
(d) आय का उच्च स्तर और बेहतर जीवन

उत्तर

(d) आय का उच्च स्तर और बेहतर जीवन

प्रश्न (3) भूमिहीन ग्रामीण मजदूर की क्या आकांक्षाएं होती हैं ?

उत्तर-

- काम करने के अधिक दिन और बेहतर मजदूरी मिले।
- स्थानीय स्कूल उनके बच्चों को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के योग्या हों।
- कोई सामाजिक भेदभाव नहीं और गाँव में वे भी नेता बन सकें।

प्रश्न (4) पंजाब के समृद्ध किसान की क्या आकांक्षाएँ होती है ?.

उत्तर

- किसानों की उनके उपज के लिए ज्यादा समर्थन मूल्य की प्राप्ति ।
- मेहनती और सस्ते मजदूर क्षेत्रीय स्तर पर उपलब्ध हों ।
- बच्चों को विदेशों में शिक्षा देना एवं बसाना आदि।

प्रश्न :- (5) किसान जो केवल वर्षा पर निर्भर है उनकी क्या आकांक्षाएँ होती हैं ?

उत्तर:-

- ठीक समय पर उचित वर्षा हो ।
- जो किसान सम्पन्न है वे फसल न ठीक होने पर उन्हें अनाज उपलब्ध कराये।
- सूखा पड़ने पर सरकार उन्हें सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराए।

प्रश्न :-(6) ग्रामीण महिलाओं की क्या आकांक्षाएँ होती हैं?

उत्तर :-

- अधिक आभूषण और वस्त्रा
- अपने बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा।
- बच्चों का विवाह अच्छे परिवारों में हो जाए।

प्रश्न :-(7)(a) शहरी बेरोज़गार युवक की क्या आकांक्षाएँ होती हैं?

(b) शहर के एक अमीर परिवार के लड़के की क्या

उत्तर- (a)

- जल्दी से जल्दी उसे नौकरी मिल जाए।
- बैंक से उसे सस्ती दर पर ऋण मिल जाए
- विदेशों की भाँति उसे भी सामाजिक सुरक्षा (Social Security) उपलब्ध कराई जाए।

उत्तर (b)

- अच्छी शिक्षा
- आने-जाने के लिए स्कूटर कार आदि की व्यवस्था।
- विदेशों में जाने की सुविधा।

प्रश्न :-(9) (a) शहर के एक अमीर परिवार की लड़की की क्या आकांक्षाएँ होती हैं ?

(b) नर्मदा घाटी के एक आदिवासी की क्या आकांक्षाएं होती है ?

उत्तर- (a)

- उसे अपने भाई के जितनी आज़ादी मिलनी चाहिए।
- वह अपने फैसले खुद करे
- वह भी अपनी पढ़ाई विदेशों में कर सकती है।

उत्तर- (b)

- उन्हें अपनी पैतृक भूमि से न हटाया जाए।
- यदि ऐसा करना आवश्यक हो तो उसे पहले दूसरे स्थान पर अच्छी तरह से पुनर्वास की व्यस्था हो।

अर्थव्यवस्था

अर्थव्यवस्था :-एक ऐसी व्यस्था जिसके अन्तगर्त एक व्यक्ति अपनी आजीविका अर्जित करता है।

आर्थिक विकास :- अर्थव्यस्था के क्षेत्र में देश की प्रगति को आर्थिक विकास कहते है।

आर्थिक विकास की माप :-

■ साधारणतया किसी भी देश के आर्थिक विकास को उसको राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति की आय से नापा जाता है।

■ यदि किसी विशेष देश में वहाँ के लोग ऊँची आय कमाते हैं और अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति कर लेते हैं तो हम यह कहते हैं ऐसा देश एक विकसित देश है और उसकी अर्थ व्यवस्था एक विकसित अर्थ व्यवस्था है। जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और जापान आदि हैं ।

■ यदि किसी देश में वहाँ के लोग ऊँची आय प्राप्त नहीं कर सकते जिनके कारण वे अपनी इच्छाओं की पूर्ति नहीं कर सकते तो हम यह कहते हैं कि ऐसी अर्थ-व्यवस्था एक विकासशील अर्थ-व्यवस्था है और ऐसा देश एक विकासशील देश है जैसे भारत, पाकिस्तान, श्री लंका आदि।

निष्कर्ष :-इस प्रकार आर्थिक विकास वह मापदण्ड है जो किसी व्यक्ति विशेष की आर्थिक क्षेत्र में प्रगति को प्रकट करता है।

विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्था में अंतर

विकसित अर्थव्यवस्था (Developed Economy)

- विकसित देशों में औद्योगिक क्षेत्र बहुत विस्तृत होता है और वह आधुनिक तकनीक पर आधारित होता है।
- इनमें वस्तुओं का अधिक मात्रा में निर्माण होता है।
- इनमें पूँजी का अधिक महत्त्व होता है।
- विकसित देशों में कारीगर सकुशल और शिक्षित होते हैं और वे आधुनिक तकनीक का अधिक प्रयोग करते हैं।
- ऐसे देशों में लोगों की आय एवं जीवन स्तर बहुत ऊँचा होता है।
- जैसे :- अमेरिका, यू०के०, जर्मनी. फांस, जापान

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

विकासशील अर्थव्यवस्था (Developing Economy)

■ विकासशील देशों में **कृषि तथा ग्रामीण क्षेत्र का अधिक महत्त्व** होता है।

■ यह **क्षेत्र काफी पिछड़ा** हुआ होता है। परिणामस्वरूप समस्त अर्थ-व्यवस्था का ढांचा भी पिछड़ जाता है।

■ इन देशों में **औद्योगिक क्षेत्र बहुत छोटा** होता है और समान्यतः शहरी क्षेत्र तक ही सीमित रहता है।

■ इन देशों में **आर्थिक क्षेत्र में असमानता** पाई जाती है और **गरीबी** की समस्या गंभीर रूप धारण किए रहती है। इनमें **प्रति व्यक्ति आय बहुत कम** होती है।

■ इनकी **जनसंख्या में लगातार वृद्धि** होती रहती है और **बेरोजगारी** भी बढ़ती रहती है

■ इनमें **बड़े उद्योगों और आधुनिक तकनीक का अभाव** रहता है। इनमें मानव तथा प्राकृतिक साधनों का पूरा लाभ नहीं उठाया जाता ।

विभिन्न देशों की तुलना

तुलना का आधार

(a) देश की आय (राष्ट्रीय आय)

(b) प्रतिव्यक्ति आय (औसत आय)

- देशों की तुलना करने के लिये उनकी **आय सबसे महत्वपूर्ण विशेषता** मानी जाती है।
- जिन देशों की आय अधिक है उन्हें कम आय वाले देशों से अधिक विकसित समझा जाता है।

देश की आय उपयुक्त माप नहीं, कारण

(a) विभिन्न देशों की जनसख्या अलग - अलग

(b) कुल आय की तुलना करने से हमें यह ज्ञात नहीं होता कि प्रति व्यक्ति की आय कितनी है

विभिन्न देशों की तुलना - औसत आय

औसत आय = देश की कुल आय / कुल जनसंख्या

- औसत आय तुलना के लिये उपयोगी है लेकिन यह असमानता को छुपा देता है।
- इससे यह पता नहीं चलता है कि देश कि कुल आय लोगों में किस प्रकार से वितरित है।

तालिका : दो देशों की तुलना

देश	2007 में नागरिकों की माहवार आय (रुपए में)					
	I	II	III	IV	V	औसत
देश 'क'	9500	10500	9,800	10,000	10,200	50,000
देश 'ख'	500	500	500	500	48,000	50,000

NCERT अभ्यास प्रश्न

(3)मान लीजिए कि एक देश में चार परिवार है। इन परिवारों को प्रतिव्यक्ति आय 5000 रुपये है। तीन परिवारों को आप 4000 7000 1000 रुपये चौथे परिवार को क्या है?

(a) 7,500 रुपये
(b) 3,000 रुपये
(c) 2,000 रुपये
(d)6,000 रुपये

(6)हम औसत का प्रयोग क्यों करते हैं? इनक प्रयोग करने को क्या कोई सीमाएँ है? विकास से जुड़े अपने उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

देशों का वर्गीकरण - विश्व बैंक

- विश्व विकास रिपोर्ट विश्व बैंक जारी करता है।
- इस रिपोर्ट के अनुसार देशों के वर्गीकरण का मापदंड प्रतिव्यक्ति आय है।
- विश्व बैंक द्वारा देशों को तीन वर्गों में बाटा गया है 2013 के आंकड़ों के अनुसार :-

(a) समृद्ध देश

- प्रतिव्यक्ति आय US $ 12736 प्रति वर्ष या उससे अधिक
- समान्यतः इन्हे विकसित देश कहा जाता है।

(b) निम्न आय वर्ग वाले देश

- प्रतिव्यक्ति आय US $ 1045 प्रति वर्ष या उससे कम।
- समान्यतः इन्हे अल्पविकसित या पिछड़े देश कहा जाता है।

(c) मध्य आय वर्ग वाले देश

- प्रतिव्यक्ति आय US $ 1045 से 12736 के बीच।
- समान्यतः इन्हे विकासशील देश कहा जाता है।
- भारत मध्य आय वर्ग वाला देश है, प्रतिव्यक्ति आय US $ 1570 (2013)

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(4) विश्व बैंक विभिन्न देशों का वर्गीकरण करने के लिये किस प्रमुख मापदंड का प्रयोग करता है? इस मापदंड कि अगर कोई सीमा है तो बताएं?

मानव विकास रिपोर्ट

जारीकर्ता :- **UNDP**

(United Nation Development Programme)

सूचकांक **HDI- Human Development Index**

(मानव विकास सूचकांक)

विकास का मापदंड

(a) प्रतिव्यक्ति आय (आर्थिक सूचक)

(b) लोगों का शैक्षणिक स्तर

(c) लोगों कि स्वास्थ्य स्थिति

(d) लोगों की जीवन प्रत्याशा

[समाजिक सूचक]

■ 191 देशों की सूची में भारत का HDI रैंक 132 (2021-22)

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(5) विकास मापन का यू०एन०डी०पी० का मापदण्ड किन पहलुओं में विश्व बैंक के मापदण्ड से अलग है ?

उत्तर-

■ विश्व बैंक ने विभिन्न देशों के विकास की तुलना करते समय केवल आय के मापदण्ड को ही अधिक महत्व दिया है परन्तु यह मापदण्ड उचित नहीं है क्योंकि एक बेहतर जीवन व्यतीत करने के लिए आयके अतिरिक्त भी कुछ अन्य चीजों की भी आवश्यकता पड़ती है।

■ यू० एन०डी०पी० (UNDP) ने जो वर्गीकरण का मापदण्ड अपनाया है, वह कहीं बेहतर माना जाता है।

■ इसके द्वारा देशों की तुलना करते समय प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ निम्नलिखित पहलुओं को भी शामिल किया गया है:-

(i) लोगों का शैक्षणिक स्तर
(ii) लोगों का स्वास्थ्य स्तर
(iii) प्रतिव्यक्ति आय

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(1) सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है-

(a) प्रतिव्यक्ति आय

(b) औसत साक्षरता स्तर

(c) लोगों की स्वास्थ्य स्थिति

(d) उपरोक्त सभी (उत्तर)

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

कुछ महत्वपूर्ण शब्द

शिशु मृत्यु दर

शिशु मृत्यु दर किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों का अनुपात दिखाती है।

साक्षरता दर

साक्षरता दर 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात बताता है

निवल उपस्थिति अनुपात

निवल उपस्थिति अनुपात 14 तथा 15 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले कुल बच्चों का उस आयु वर्ग के कुल बच्चों के प्रतिशत को बताता है

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(7) प्रतिव्यक्ति आय कम होने पर भी केरल का मानव विकास क्रमाक महाराष्ट्र से ऊँचा है। इसलिए प्रतिव्यक्ति आय एक उपयोगी मापदण्ड बिल्कुल नहीं है और राज्यों की तुलना के लिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। क्या आप सहमत है? चर्चा कीजिए।

राज्य	2013-14 के लिए प्रति व्यक्ति आय (रुपयों में)
महाराष्ट्र	1,17,091
केरल	1,03,820
बिहार	31,199

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

राज्य	शिशु मृत्यु दर प्रति 1,000 व्यक्ति (2013)	साक्षरता दर % (2011)	निवल उपस्थिति अनुपात (प्रति 100 व्यक्ति) उच्चतर (आयु 14 तथा 15 वर्ष) 2009-10
महाराष्ट्र	24	82	64
केरल	12	94	78
बिहार	42	62	35

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण, 2015-16

- **किस राज्य की प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है?**
- **किस राज्य की शिशु मृत्यु दर सबसे कम है?**
- **किस राज्य में साक्षरता दर सबसे कम है?**

प्रश्न :-(12) तालिका 1.6 में दी गई प्रत्येक मद के लिये ज्ञात कीजिये की कौन सा देश सबसे ऊपर है और कौन सा सबसे निचे।

तालिका 1.6 वर्ष 2014 के लिए भारत और उसके पड़ोसी देशों के कुछ आँकड़े

देश	सकल राष्ट्रीय आय (स.रा.आ.) प्रति व्यक्ति अमेरिकी डॉलर में (2014 क्रय शकित क्षमता)	जन्म के समय संभावित आयु (2014)	साक्षरता दर 15+ वर्ष की जनसंख्या के लिए 2005-2013	विश्व में मानव विकास सूचकांक (HDI) का क्रमांक (2014)
श्रीलंका	9,779	74.9	91.2	73
भारत	**5,497**	**68**	**62.8**	**130**
म्यांमार	4,608	65.9	92.6	148
पाकिस्तान	4,866	66.2	54.7	147
नेपाल	2,311	69.6	57.4	145
बंगलादेश	3,191	71.6	58.8	142

स्रोत: मानव विकास रिपोर्ट, 2014

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

प्रश्न :-(2) निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है?

(a) बांग्लादेश
(b) श्रीलंका
(c) नेपाल
(d) पाकिस्तान

उत्तर - श्रीलंका

BMI -Body Mass Index

- शरीर द्रव्यमान सूचकांक (वी. एम. आई.)
- यह व्यस्क (adult) में पोषण का स्तर पता करने का एक आसान तरीका है

- पोषण स्तर के आधार पे व्यस्क की 3 श्रेणीयाँ हैं :-

(a) अल्पपोषित - BMI संख्या 18.5 से कम
(b) अतिभारित - BMI संख्या 25 से अधिक
(c) संतुलित - BMI 18.5 से 25 के बीच

- भार - किलोग्राम
- लम्बाई - मीटर

- यह मापदंड बढ़ते बच्चों पर लागु नहीं होता l
- व्यक्ति की आर्थिक पृष्ठभूमि और पोषण के स्तर में संबंध होता है l

NCERT अभ्यास प्रश्न

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

प्रश्न :-(13)नीचे दी गई तालिका में भारत में अल्प पोषित वयस्कों का अनुपात दिखाया गया है। यह वर्ष 2005-06 में देश के विभिन्न राज्यों के एक सर्वेक्षण पर आधारित है। तालिका का अध्ययन करके निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

राज्य	पुरुष (%)	महिला (%)
केरल	22	18
कर्नाटक	34	36
मध्य प्रदेश	42	38
सभी राज्य	**34**	**33**

NCERT अभ्यास प्रश्न

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

(a) केरल और मध्य प्रदेश के लोगों के पोषण स्तरों की तुलना कीजिए।

राज्य	पुरुष (%)	महिला (%)
केरल	22	18
कर्नाटक	34	36
मध्य प्रदेश	42	38
सभी राज्य	**34**	**33**

उत्तर :- मध्यप्रदेश की तुलना में केरल में स्त्री और पुरुष दोनों का पोषण स्तर काफ़ी उच्च है।

(b) क्या आप अन्दाज़ लगा सकते हैं कि देश के लगभग एक तिहाई लोग (40 प्रतिशत) अल्पपोषित क्यों हैं,हालांकि यह तर्क दिया जाता है कि देश में पर्याप्त अनाज(खाद्य)है? अपने शब्दों में विवरण दीजिए।

उत्तर :- देश में पर्याप्त अनाज है परन्तु फिर भी देश के 40% लोग अल्पपोषित है, जिसके मुख्य कारण निम्नलिखित है:-

- **देश के बहुत से लोग अभी भी गरीबी रेखा से नीचे हैं इसलिए वे पौष्टिक आहार नहीं ले सकते।**
- **देश में अभी भी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है इसलिए अभी भी बहुत से लोग अशिक्षित और रोगी बनकर जीते हैं और ऐसी परिस्थितियों में वे पौष्टिक आहार से वंचित रह जाते हैं।**
- **देश के बहुत से राज्यों में, जैसे बिहार और मध्य प्रदेश में जन वितरण प्रणाली (Public Distribution System) ठीक ढंग से काम नहीं कर रही इसलिए बहुत से लोग कम दामों पर पौष्टिक आहार की सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं।**

धारणीय विकास

■ विकास की ऐसी रणनीति जिसमे प्राकृतिक संसाधनों का इसपरकार प्रयोग किया जाये कि वर्तमान जरूरत पूरा होने के साथ भविष्य कि पीढ़ीयों (generation) के लिये भी संसाधन बचा रहे, धारणीय विकास कहलाता है l

■ विकास कि इस प्रक्रिया में पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुँचता है

■ इस रणनीति से विकास करने से विकास कि प्रक्रिया लगातार चलती रहती है इसलिए इसे सतत विकास या संपोषणीय विकास कहते हैं l

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(9) धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है?

प्रश्न :-(10)धरती के पास सब लोगों को आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पर्याप्त संसाधन है, लेकिन एक भी व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। यह कथन विकास की चर्चा में कैसे प्रासंगिक है? चर्चा कीजिए।

- धारणीयता का यह अर्थ है कि प्रकृति के विभिन्न साधनों का प्रयोग ऐसे किया जाए कि उनकी अस्तित्व समाप्त न होने पाए।
- यदि हम प्रकृति के संसाधनों का बड़ी समझदारी और सूझ-बूझ से प्रयोग करेंगे तो हमें भी उनका लाभ रहेगा और हमारे आगे आने वाली पीढ़ियों को भी उनका लाभ होता रहेगा।

■ प्रकृति के पास हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सब कुछ है परन्तु यदि कोई व्यक्ति अपने लालच से उनका शोषण करेगा तो यह साधन जल्दी समाप्त हो जायेंगे या बर्बाद हो जाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ीयों के लिए कुछ नहीं बचेगा।

■ अतः हमें लालच को त्याग कर अपने संसाधनों का उचित प्रयोग करना चाहिए ताकि हम भी भूखे न रहें और आगे आने वाली पुश्तें भी उनसे वंचित न रह जाएं।

■ हमें अपने वन्य और खनिज साधनों को मानव शोषण से बचाना चाहिए। नहीं तो धीरे-धीरे पशुओं और पौधों की बहुत सी नसलें नष्ट हो जाएंगी और आगे आने वाले लोगों को उनकी सुन्दरता और लाभ से वंचित रहना पड़ेगा।

■ यदि ऐसा होता है तो यह हमारे लिए बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण होगा और आगे आने वाली पोढ़ियों के लिए बड़ा हानिकारक।

■ इसलिए हमें अपने साधनों का प्रयोग एक उचित मात्रा में करना चाहिए।

भारत में भूमिगत जल

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

■ देश के कई भागों में भूमिगत जल के अति-उपयोग होने का गंभीर संकट है।

■ देश का लगभग एक तिहाई भाग, भूमिगत जल भण्डारों का अति-उपयोग कर रहा है।

■ यदि इस साधन के प्रयोग करने का वर्तमान तरीका जारी रहा तो अगले 25 वर्षों में देश का 60 प्रतिशत भाग इस साधन का अति उपयोग कर रहा होगा।

■ भूमिगत जल का अति-उपयोग विशेष रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों में किया जा रहा है :-

(a)पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कृषि की दृष्टि से समृद्ध क्षेत्रों

(b)मध्य और दक्षिण भारत के चट्टानी पठारी क्षेत्रों

(c)कुछ तटवर्ती क्षेत्रो में

प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

तालिका 1.7 कच्चे तेल के अतिरिक्त भण्डार

क्षेत्र/देश	भण्डार (2013) (हजार मिलियन बैटल)	भण्डारों के चलने की अवधि (वर्षों में)
मध्य–पूर्व	808.5	78.1
संयुक्त राज्य अमरीका	44.2	12.1
विश्व	1687.9	53.3

■ यदि कच्चे तेल का प्रयोग वर्तमान दर पर चालू रहे तो ये भण्डार कुछ ही वर्ष चलेंगे।

प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

■ यह संपूर्ण विश्व के लिए है। किंतु अलग-अलग देशों की अलग-अलग स्थितियाँ हैं। यह भण्डार केवल 46 वर्षों में समाप्त हो जाएँगे।

■ भारत तेल के आयात पर निर्भर है, क्यूंकि हमारे पास तेल के पर्याप्त भण्डार नहीं है। तेल की कीमतें बढ़ती है, तो प्रत्येक वस्तु कि कीममत बढ़ती है।

■ संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे कुछ देश हैं जिनके पास भण्डार तो कम हैं लेकिन वे इसे सैन्य और आर्थिक शक्ति के द्वारा पाना चाहते हैं।

प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

प्रश्न (1)क्या किसी देश को विकास प्रक्रिया के लिए कच्चा तेल अनिवार्य है? चर्चा कीजिए।

प्रश्न (2) भारत को कच्चे तेल का आयात करना पड़ता है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए आप भारत के लिए आने वाले समय में किन समस्याओं का पूर्वानुमान करते हैं?

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(11)क्या यह कहना सही होगा कि पर्यावरण का अवक्रमण केवल राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है ? उदाहरण देकर सचित्रण कीजिए।

अथवा

प्रश्न -पर्यावरण के अवक्रमण के कुछ ऐसे उदाहरणों की सूची बनाइए जो आपने अपने आस-पास देखें

उत्तर-

जब मनुष्य अपने लालच के कारण संसाधनों का दुरूपयोग करता है या आवश्यकता से अधिक उनका प्रयोग करता है तो पर्यावरण दूषित हो जाता है और उसका अवक्रमण होने लगता है।

NCERT अभ्यास प्रश्न

■ वनों के निरन्तर काटे जाने और कारखानों से उठने वाले धुएं तथा विषैले द्रव्य पदार्थों के निरन्तर निकलते रहने से पर्यावरण निरन्तर दूषित होता रहता है। इसके साथ-साथ जब एक देश में परमाणु प्रयोग किए जाते हैं तो उनका प्रभाव भी एक देश तक सीमित नहीं रहता वरन् आस-पास के देशों पर भी उसका गहरा प्रभाव पड़ता है और उनका पर्यावरण भी दूषित हो जाता है।

■ पर्यावरण के अवक्रमण के उदाहरण हमारे आस-पास भी देखे जा सकते हैं।

👉मीठे पानी की मात्रा विश्व भर में बहुत कम है। यदि एक देश अधिक सिंचाई द्वारा कुओं और नलकूपों से उनका अन्धाधुन्ध प्रयोग करता रहेगा तो केवल उसी देश का ही नहीं वरन् आस-पास के देशों में भी पानी का स्तर नीचे गिरता चला जायेगा। वैज्ञानिक यह निरन्तर चेतावनी देते जा रहे हैं कि विश्व में यदि कोई अगले संकट की सम्भावना हो सकती है तो वह मीठे पानी (Sweet Water) का संकट होगा।

निष्कर्ष :-

NCERT अभ्यास प्रश्न

■ इस प्रकार यह कहना बिलकुल सत्य है कि पर्यावरण का अवक्रमण केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है बल्कि यह एक अन्तर्राष्ट्रीय मुद्द्दा है।

■ एक देश की भी मूर्खता विश्व भर को संकट में डाल सकती है।

■ परमाणु बम्ब चलाने, वृक्षों के अन्धाधुन्ध काटने, कारखानों के धुए, मीठे पानी के अत्यधिक प्रयोग के लिए यदि एक देश दोषी होगा तो उसका भुगतान सभी देशों को करना पड़ेगा।

"हम तो मरेंगे सनम तुम को भी ले डूबेंगे।"

NCERT अभ्यास प्रश्न

प्रश्न :-(8) भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्वोतों का प्रयोग किया जाता है ? ज्ञात कीजिए l अब से 50 वर्ष पश्चात क्या संभावना हो शक्ति है?

उत्तर-

भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के निम्नलिखित स्रोतों का प्रयोग किया जाता है:-

अथवा

शक्ति के विभिन्न श्रोत अथवा साधन निम्नलिखित हैं :-

(a) कोयला तथा पैट्रोलियम शक्ति के खनिज स्त्रोत हैं जिनकी आपूर्ति नहीं की जा सकतीं। ये शक्ति के पारम्परिक स्त्रोत भी हैं जिनका इस्तेमाल सारी दुनिया में विस्तृत रूप से हो रहा है।

(b) जल की चालक शक्ति से सस्ती विद्युत-शक्ति पैदा की जाती है। इस उद्देश्य के लिए नदियों पर बाँध बनाये जाते हैं।

(c) परमाणु ऊर्जा, यूरेनियम परमाणु के नाभिक से प्राप्त की जाती है।

(d) सूर्य वैसे तो पृथ्वी पर समस्त ऊर्जा का एकमात्र स्रोत है किन्तु आजकल सौर-सैलों द्वारा सौर ऊर्जा को सीधे विद्युत शक्ति में बदला जा सकता है।

(e) पवन चक्कियों द्वारा पवन की चालक शक्ति का इस्तेमाल उन प्रदेशों में किया जाता है जहाँ लगभग सारा साल पवन लगातार चलती रहती है।

विद्या दृष्टि
The Vision Of Education

(f) तटीय क्षेत्रों में ज्वार-भाटा के कारण समुद्र के पानी के उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाली शक्ति से ऊर्जा प्राप्त की जाती है।

(g) ज्वाला मुखी क्षेत्रों में भूतापीय ऊर्जा का प्रयोग किया जाता है। निकलने वाली गर्म भाप को नियन्त्रित करके ऊर्जा के स्थायी स्त्रोत के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। भूतापीय ऊर्जा का लाभ संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली और कई अन्य देशों में उठाया जा रहा है।

NCERT अभ्यास प्रश्न

■ आज के 50 वर्ष बाद तेल और कोयला के समाप्त हो जाने की सम्भावनायें हो सकती हैं।

👉इस परिस्थिति का एक मात्र उपाय यही है कि ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत ढूंढा जाये जैसे आण्विक ऊर्जा या सौर ऊर्जा आदि।

👉किन्तु इन नए स्त्रोतों को व्यावसायिक रूप से लाभप्रद बनाने में काफी समय लगेगा तब तक खनिज तेल 'तरल सोना' ही रहेगा जो सोने से कहीं अधिक कीमती है।

👉हमें अपने देश में तेल के और भण्डारों का पता लगाना होगा।

कुछ महत्वपूर्ण शब्द

जीवन प्रत्याशा

व्यक्ति के जन्म के समय औसत आयु कि संभावना को दर्शाता है

क्रय शक्ति समता

- सभी देशों के प्रतिव्यक्ति आय कि गणना डॉलर में की जाती है ताकि उसकी तुलना की जा सके।
- ऐसा इसलिए भी किया जाता है कि एक डॉलर किसी भी देश में समान मात्र में वस्तु और सेवा को खरीद सके।

" हमने विश्व को अपने पूर्वजों से उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं किया है - हमने इसे अपने बच्चों से उधर लिया है ।"